कृषि विज्ञान केन्द्र
जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,
(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)
bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	08.01.2025	09.01.2025	10.01.2025	11.01.2025	12.01.2025
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	24.0	24.0	24.0	23.0	23.0
न्यूनतम तापमान (से.)	13.0	13.0	12.0	11.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	90	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	65	65
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	3	7	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	300	280	280	280
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले में 8.12 जनवरी के मध्य आसमान में हल्के बादल एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।
- सुबह एवं शाम के समय हल्के से मध्यम कुहासा रह सकता है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 22से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।
- न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 5–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफतार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

सामान्य सलाह :

पूर्वानुमान की अवधी में कम तापमान के कारण तापमान सवेंदनशील फसलों जैसे– टमाटर, मटर एवं आलू की फसल में कम नमी के कारण बुरा असर पड़ सकता है। खेंतों में नमी बनाये रखें।

लघु संदेश सलाह :

सब्जियों की फसल जैसे– मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रकोप दिखने पर स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

गेहूँ	अगात बोयी गई गेहूँ की फसल जो 21–25 दिनों की हो गई हो उसमें सिंचाई करें एवं सिचाई के 1 से 2 दिनों बाद प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई अतिशीघ्र करें। इसके लिए प्रमाणित श्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। गेहूँ की पिछात किस्में जैसे – सबौर श्रेष्ठ, राज 3765, डब्लू0 आर0 544, 1563 डी0बी0डबलू 14,

	एच0डी0 2985, 2643, एस0 आई0 1563, एन0डबलू 2036, पी0बी0 डबलू 373, डबलू आर 544 तथा एच0 डबलू 2045 अनुसंशित है।
मक्का	नवम्बर माह के शुरू में बोयी गई रबी मक्का की फसल जो 50 से 60 दिनों की अवस्था में है। उसमें 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें। मक्का का फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें। उपचार हेतु फसल में फोरेट 10 जी0 या कार्बोफ्यूरान 3 जी0 का 7 से 8 दाना प्रति गाभा प्रति पौधा डालें। फसल में अधिक नुकसान होने पर डेल्टामिथ्रिन 250–300 मि0ली0 प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

पशुपालन पालन विशिष्ट सलाहः

गाय	पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सूखी घास या राख का उपयोग करें। दूधारू पशुओं को हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रूप से दाने एवं कैल्सियम खिलायें। दुधारू प्शुओं को 250 ग्राम तिलहन खल्ली प्रति दिन दें। गलाघोटू एवं लंगड़ी बिमारी से बचाव के लिए टीका लगवायें।